

Women's Health

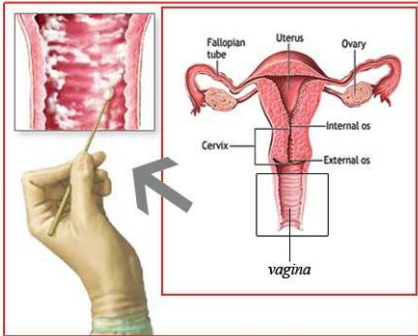


Newsletter 2, 2010 (Hindi Version)

महिला स्वास्थ्य वैजिनाईटिस

वैजिनाईटिस योनि में सूजन को कहा जाता है जिसे कि रिसाव, खुजली और दर्द पैदा हो सकती है। इसका कारण आम तौर पर योनि में बैक्टीरिया के सामान्य संतुलन में परिवर्तन या संक्रमण से होता है। वैजिनाईटिस रजोनिवृत्ति (मासिक धर्म का वंद हो जाना) के बाद एस्ट्रोजन का स्तर कम होने का परिणाम भी हो सकता है।

वैजिनाईटिस महिलाओं में एक आम विमारी है। वैजिनाईटिस योनि के किसी भी संक्रमण या सूजन को कहा जाता है।



वैजिनाईटिस के आम प्रकार और उनके लक्षण हैं।

१ **बैक्टीरियल वैजिनोसिस:** कई जीव सामान्य रूप से योनि में मौजूद होते हैं जिनसे से किसी की भी अतिबृद्धि हो जाने से योनि में बैक्टीरिया का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ जाता

लक्षण

- ♀ आमतौर पर पतली और दूधिया योनि रिसाव।
- ♀ कभी कभी रिसवु मछली की गांध खुत्त होता है। गांध संभोग के बाद अधिक जाहिर हो सकता है।

Vaginitis test (wet mount): a sample of vaginal discharge is taken and a slide made for microscopic examination

२ **खमीर संक्रमण:** एक स्वाभाविक रूप से पाये जाने वाला कवक कौन्डिडा ग्लेबिकैणस आमतौर पर वैजिनाईटिस के इस प्रकारका कारण बनता है। एक अनुमान के अनुसार चार महिलाओं में तीन अपने जीवनकाल में एक खमीर संक्रमणका शिकार बनेंगी।

लक्षण:

- ♀ पनीर जैसे गाढापन के साथ सफेद योनि रिसाव।
- ♀ बिना गांध के जलपूर्ण।
- ♀ योनि और योनिमुख में लाली और खुजलाहट।

३ **ट्राइकोमोनिऐसिस** - यह एक परजीवी के कारण होता है और सामान्यतः संभोग के द्वारा फैलता है।

लक्षण:

- ♀ छागादार और बदबूदार हरा, पीला योनि रिसाव।
- ♀ योनि और योनिमुख में खुजली, जलन और पीडा।

४ **पेट्रोफिक वैजिनाईटिस:** यह रजोनिवृत्ति के बाद एस्ट्रोजनका स्तर कम होने से होता है। योनि उक्त पतला और सूखा हे जाता है, जिस से खुजली, जलन या दर्द हो सकती है।

वैजिनाईटिस वायरस, दीर्घकालिक एंटीबायोटिकका उपयोग करके, मधुमेह के कारण एवं प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर होने के कारण भी हो सकता है। वैजिनाईटिस के प्रत्येक प्रकारका अलग इलाज है। वैजिनाईटिस के कुछ प्रकारका कोई लक्षण नहीं है तो यह जरूरी है कि नियमित स्त्रीरोग चिकित्सक से परीक्षा करवायी जाये।

वैजिनाईटिस का निवारण

- ♀ योनि क्षेत्रको साफ और सूखी रखें।
- ♀ अत्यधिक धोने से और कठोर साबुन एवं डिटरजेंट से बचें।
- ♀ सूती अंडरवेयर पहने जो कि नमी अवशोषित करे और योनि सूखी रखें।
- ♀ मल त्याग के बाद सामने से पीछे की ओर साफ करें।
- ♀ लंबी अवधि के लिए योनि में डैम्पोन या Diaphragms मत छोड़ें।
- ♀ मिठाई और शराबका सेवन कम करें।

